**भारत सरकार**

**सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय**

**राज्‍य सभा**

**सोमवार, 28 जुलाई, 2014, 6 श्रावण, 1936 (शक) अतारांकित प्रश्‍न सं. 2076**

**राजमार्गों का निर्माण**

**2076. श्रीमती शशिकला पुष्पा:**

क्या सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या गत तीन वर्षों के दौरान राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं के निर्माण कार्य की गति धीमी रही है;

(ख) यदि हां, तो तमिलनाडु सहित तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) उक्त अवधि के दौरान इन परियोजनाओं पर तमिलनाडु सहित कितनी धनराशि खर्च की गई तथा इसकी तुलना में कुल कितने किलोमीटर राजमार्गों का निर्माण किया गया; और

(घ) इन परियोजनाओं के क्रियान्वयन में हुए विलम्ब और इनकी लागत में हुई वृद्घि का ब्यौरा क्या है?

**उत्‍तर**

**सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय में राज्‍य मंत्री**

**(श्री कृष्‍णपाल गुर्जर)**

**(क) से (ग) :** देश में राष्ट्रीय राजमार्गों के निर्माण की गति सुसंगत रही है । तथापि, पिछले वर्ष के दौरान यह घट गई थी । तमिलनाडु राज्‍य सहित पिछले तीन वर्षों के दौरान निर्मित राष्‍ट्रीय राजमार्गों की लंबाई और उन पर किया गया व्‍यय नीचे दिया गया है:

|  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- |
| क्र. सं.  | वर्ष  | निर्मित की लंबाई (किमी में)  | खर्च की गई राशि करोड़ रु. में  |
| 1 | 2011-12 | 3378 | 26498.34 |
| 2 | 2012-13 | 4423 | 16318.67 |
| 3 | 2013-14 | 3373 | 24142.61 |

**(घ):** विभिन्‍न राज्‍यों में राष्‍ट्रीय राजमार्ग परियोजनाएं भूमि अधिग्रहण, जन सुविधाओं के स्‍थानांतरण, पर्यावरण/वन/वन्‍य जीव स्‍वीकृति, रेल मंत्रालय के पास आरओबी/आरयूबी से संबंधित मुद्दों, ठेकेदार/रियायतग्राही के अल्‍प-निष्‍पादन, विकासकर्ताओं की इक्‍विटी फंड पैदा करने में अयोग्‍यता, मिट्टी/ गिट्टी की अनुपलब्‍धता, अतिरिक्‍त सुविधाओं के लिए जन आंदोलन, ठेकेदारों के साथ माध्‍यस्‍थतम/संविदात्‍मक विवाद आदि की वजह से प्रभावित हैं । लागत लंघन केवल मद-दर ठेकों में लागू होता है । ऐसे ठेकों में विलंब की वजह से वृद्धि की अदायगी का प्रावधान होता है । यदि परियोजना ठेकेदार को देय कारणों की वजह से विलंबित होती है तो नकदी क्षतिपूर्ति लगाई जाती है और कोई मूल्‍य वृद्धि अदा नहीं की जाती । विलंब अथवा लागत लंघन की वजह से वास्‍तविक वृद्धि केवल परियोजना के पूरा होने और बिलों के अंतिम निपटान के बाद ही पता लग सकती है ।

**\*\*\*\*\***